उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का विस्तार

प्रिलिम्स के लिये:

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना, सनराइज़िंग उद्योग/सेक्टर

मेन्स के लिये:

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

सरकार द्वारा **घरेलू विनिर्माण** को बढ़ावा देने के लिये शुरू की गई '[उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन](#)' (Production-Linked Incentive-PLI) योजना का विस्तार शीघ्र ही **आठ** और अन्य क्षेत्रों में किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु:

- PLI एक आगत उन्मुख (**output-oriented)** योजना है जिसमें निर्माता/उत्पादक यदि किसी सामान का उत्पादन करता है तो उसे केवल **प्रोत्साहन** (Incentives) राशि का भुगतान किया जाएगा।
- इस योजना के अंतर्गत **पाँच से सात वर्षों** के लिये नकद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी जिसमें सभी **उभरते हुए** (Sunrise) **महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों** को शामिल किया जाना प्रस्तावित है।
    - इन विनिर्माण क्षेत्रों में **ऑटोमोबाइल, नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, उन्नत रसायन विज्ञान** और **सोलर पॉवर सिस्टम** शामिल हो सकते हैं।

आवश्यकता:

- सनराइज़ सेक्टर उभरते हुए क्षेत्र हैं लेकिन उन्हें प्रारंभिक चरण में सहायता/समर्थन की आवश्यकता हो सकती है।
- PLI योजना के तहत **निर्यात आधार** (Export Base) को विभिन्न क्षेत्रों में विकसित किया जा सकता है।
- **आपूर्ति शृंखलाओं में विविधीकरण** (Diversification in Supply Chains) के लिये विश्व में लगातार मांग बढ़ रही है जिसमें भारत एक प्रमुख प्रतिभागी बन सकता है।
- भारत को एक विनिर्माण केंद्र बनाने के दृष्टिकोण से सरकार द्वारा **मोबाइल फोन** (इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण) के लिये PLI योजना शुरू की गई जिसका विस्तार **फार्मा उत्पादों** (Pharma Products) और **चिकित्सा उपकरण** (Medical Equipment) के क्षेत्र तक किया गया।

बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिये PLI योजना:

- यह योजना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अर्द्धचालक पैकेजिंग सहित घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा इलेक्ट्रॉनिक मूल्य शृंखला में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिये वित्तीय **प्रोत्साहन/इंसेंटिव** का प्रस्ताव प्रस्तुत करती है।
- योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियों को **अगले 5 वर्षों** की अवधि के लिये भारत में निर्मित वस्तुओं की बढ़ती मांग (आधार वर्ष) के आधार पर **4 से 6%** का इंसेंटिव प्राप्त होगा।
- यह योजना केवल लक्षित क्षेत्रों जैसे-मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर लागू होगी।
- सरकार का अनुमान है कि **वर्ष 2025** तक PLI योजना के तहत मोबाइल फोन के लिये घरेलू मूल्य वृद्धि **20-25%** के मौजूदा स्तर से बढ़कर **35-40%** हो जाएगी जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से 8 लाख अतिरिक्त नौकरियों के लिये अवसर पैदा होंगे।
- देश में मोबाइल फोन का उत्पादन पिछले चार वर्षों में लगभग **आठ गुना** तक बढ़ा है और इस उद्योग से प्राप्त आय वर्ष 2014-15 के 18,900 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 1.7 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/expansion-of-production-linked-incentive-scheme